Acknowledgment

इस संसार मे हर व्यक्ति को किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के लिए किसी न किसी रूप मे अन्य व्यक्तियों के सहकार्य की आवश्यकता होती है । मेरे इस शोध कार्य को पूर्ण करने के लिए मुझे भी कई लोगो का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप मे सहकार्य प्राप्त हुआ है । उन्ही व्यक्तियों के प्रति मैं अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए अपनी भावनाओं को लिखित रूप मे प्रस्तुत कर रहा हुं ।

मेरे इस शोध कार्य को पूरा करने के लिए मुझ पर ईश्वर की परम कृपा रही ऐसा मैं मानता हुं । इसलिए सर्वप्रथम मैं मां सरस्वती को वंदन करता हुं, जिनकी कृपा प्रसाद से ही मुझे यह शोध कार्य करने की प्रेरणा व शक्ति मिली ।

मैं मेरे शोध मार्गदर्शक (गाईड) डॉ. राजेश केलकरजी का अंतःकरण से आभार मानता हुं । जिन्होने मुझे इस शोध कार्य को करने का अवसर प्रदान किया । मेरी इस संपूर्ण शोध प्रक्रिया मे आप मेरे प्रेरणा स्त्रोत रहे है । आपने समय समय पर मुझे प्रोत्साहित किया एवं शोधकार्य के लिए आवश्यक कई नवीनतम पहलूओं के संदर्भ मे अपना बहुमुल्य मार्गदर्शन प्रदान किया । आपसे मुझे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से कई सांगितिक विषयो के बारे मे जानने व सिखने का अवसर मिला । आपकी विदवत्ता को मेरा सादर नमन है।

मुझ मे संगीत के प्रति रूचि निर्माण करने मे मेरे पिता श्री सुरेश सरपोतदार व मेरी माता श्रीमती मीना सरपोतदार का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है । इन्ही के कारण मैं शास्त्रीय संगीत की ओर आकर्षित हुआ । इनके आशीर्वाद से मैं इस शोध कार्य को करने मे सफल हुआ । मैं सदैव इनका ऋणी रहुंगा ।

मेरी पत्नी श्रीमति प्रीति सरपोतदार का इस शोध कार्य की प्रक्रिया मे विशेष योगदान रहा है । मेरी इस शोध कार्य की संपूर्ण यात्रा मे आनेवाले प्रत्येक

महत्त्वपूर्ण कार्य मे मुझे हंमेशा मेरी पत्नी का साथ व सहकार्य मिला ।

मैं मेरे गुरूजन श्रीमति शालन सरपोतदार व डॉ. विकास कशालकरजी का भी आभारी हुं जिनका हमेशा मुझे मार्गदर्शन प्राप्त हुआ ।

पं. यशवंत म्हाले, डॉ. चैतन्य कुंटे, श्रीमति सुधा पटवर्धन जैसे विद्वानो का मुझे इस शोध कार्य के लिए प्रत्यक्ष रूप से साक्षात्कार लेने का अवसर प्राप्त हुआ । मैं इनके द्वारा मुझे दिए गए समय यह बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए इनका आभारी हुं ।

इस शोध कार्य के लिए मुझे प्रो. डॉ. गौरांग भावसारजी का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिसके लिए मैं इनका मनःपूर्वक आभार मानता हुं । साथ ही मैं "फेकल्टी ऑफ परफोर्मिंग आटर्स" (गायन विभाग) के सभी गुरूजनो का हृदयपूर्वक आभार व्यक्त करता हुं, जिन्हों ने मुझे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया ।

मैं मेरे सह शोधार्थी श्री अमित खेर व श्रीमति सुखदा दांडेकर का मुझे सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद व्यक्त करता हुं ।

मैं इस शोध प्रबंध का सुन्दर प्रकार से मुद्रण करने के लिए श्री निनाद मेतकर का आभारी हुं । इसी के साथ इस शोध प्रबंध मे जिन्होंने भी मुझे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग दिया, उन सभी के प्रति मैं मनःपूर्वक आभार व्यक्त करता हुं ।